गीत-अगीत (रामधारी सिंह 'दिनकर')

पाठ का परिचय

प्रस्तुत पाठ में कवि ने प्रकृति-सौंदर्य, जीव-जन्तुओं के ममत्व और मनुष्यों के प्रेमभाव का सजीव चित्रण किया है। उनके विचार से ग्वाला तो प्रेमभाव में गीत का गान करता ही है लेकिन नदी के बहाव और शुक-शुकी के क्रियाकलापों में भी गीत का सृजन होता है। उनका मानना है कि नदी और शुक-शुकी गीता का गान भले ही न कर रहे हों लेकिन वास्तव में वहाँ गीत का सृजन और गान निरंतर होता रहता है। विचारणीय प्रश्न यह है कि नदी और शुक का गीत जो अगीत है वह सुंदर है या ग्वाले का गीत जो सस्वर है वह सुंदर है?

काव्यांशों का भावार्थ

1. गीत, अगीत, कौन सुंदर है?
गाकर गीत विरह के तटिनी
वेगवती बहती जाती है,
दिल हलका कर लेने को
उपलों से कुछ कहती जाती है।
तट पर एक गुलाब सोचता,
"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।"

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

गा-गाकर बह रही निर्झरी,
पाटल मूक खड़ा तट पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

भावार्थ—प्रेम आदि भावों की अभिव्यक्ति मुखरित और मौन दो प्रकार की होती है। मुखरित अभिव्यक्ति को गीत तथा मौन अभिव्यक्ति को अगीत कहते हैं। कवि प्रश्न करता है कि गीत-अगीत कौन सुंदर है? तीव्र गति से चलने वाली नदी अपने विरह के गीत गाती हुई वहती जाती है। वह किनारे पर पड़े पत्थरों से अपने मन की भावनाएँ व्यक्त करके हलकी हो जाती है। दूसरी ओर किनारे पर चुपचाप खड़ा गुलाब सोचता है कि यदि विधाता उसे वाणी देते तो वह भी अपने पतझड़ के सपनों के गीत गाकर सुनाता। नदी कल-कल के स्वर में गाती हुई बह रही है लेकिन गुलाब चुपचाप खड़ा है। गीत-अगीत में कौन सुंदर है?

2. बैठा शुक उस घनी डाल पर
जो खोंते पर छाया देती।
पंख फुला नीचे खोंते में
शुकी बैठ अंडे है सेती।
गाता शुक जब किरण वसंती
छूती अंग पर्ण से छनकर।
किंतु, शुकी के गीत उमड़कर
रह जाते सनेह में सनकर।
गूँज रहा शुक का स्वर वन में
फूला मग्न शुकी का पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

भावार्थ—शुक घोंसले के ऊपर छायादार डाल पर बैठा है और नीचे घोंसले में शुकी बैठी हुई अंडे सेती है। जब पत्तों से छनकर किरण वसंती आती है, तो शुक मुखरित स्वर में प्रेम के गीत गाता है, लेकिन शुकी के गीत वात्सल्य से भीगे उसके हृदय में ही उमड़कर रह जाते हैं। शुक का स्वर वन में गूँज रहा है, लेकिन शुकी वात्सल्य में मग्न होकर अपने पंख फुलाए बैठी है। एक का प्रेम मुखरित है, एक का मौन है। गीत-अगीत कौन सुंदर है?

3. दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब
बड़े साँझ आल्हा गाता है,
पहला स्वर उसकी राधा को
घर से यहाँ खींच लाता है।
चोरी-चोरी खड़ी नीम की
छाया में छिपकर सुनती है,
'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की
बिधना', यों मन में गुनती है।
वह गाता, पर किसी वेग से
फूल रहा इसका अंतर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

भावार्थ—दो प्रेमी हैं। एक जब प्रेम में भरकर आल्हा गाता है तो उसका प्रेमभरा पहला स्वर उसकी राधा को घर से खींच लाता है। वह नीम की छाया में छिपकर चोरी-चोरी अपने प्रेमी का गीत सुनती है और सोचती है कि वह भी अपने प्रेमी के साथ गीत क्यों नहीं गा सकी? प्रेमी मुखरित स्वर में अपनी प्रेमाभिव्यक्ति कर रहा है और दूसरी ओर उसकी राधा का हृदय भी प्रेम से प्रफुल्लित हो रहा है। एक की अभिव्यक्ति मुखर है और दूसरे की मौन। एक का प्रेम गीत है दूसरे का अगीत है। कवि कहता है गीत-अगीत कौन सुंदर है?

भाग-1

बहुविकल्पीय प्रश्न

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

(1) गाकर गीत विरह के तटिनी
वेगवती बहती जाती है,
दिल हलका कर लेने को
उपलों से कुछ कहती जाती है।
तट पर एक गुलाब सोचता,
"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।"
गा-गाकर बह रही निर्झरी,
पाटल मूक खड़ा तट पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

1. तटिनी कैसे गीत गाती हुई बह रही है–
(क) मिलन के (ख) विरह के
(ग) भक्ति के (घ) प्रेरणा के।

2. दिल हलका करने को नदी किससे बातें करती है–
(क) उपलों से (ख) गुलाब से
(ग) नाव से (घ) नाविक से।

3. 'देते स्वर यदि मुझे विधाता'–यह कौन सोचता है–
(क) कमल (ख) गुलाब
(ग) कवि (घ) तटिनी।

4. यदि गुलाब के पास स्वर होता तो वह जग को कैसा गीत सुनाता–
(क) मिलन का (ख) देशभक्ति का
(ग) अपने पतझर के सपनों का (घ) सावन का।

5. तट पर कौन चुपचाप खड़ा है–
(क) बगुला (ख) हंस
(ग) गुलाब (घ) कवि।

उत्तर– 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ग) 5. (ग)।

(2) बैठा शुक उस घनी डाल पर
जो खोंते पर छाया देती।
पंख फुला नीचे खोंते में
शुकी बैठ अंडे है सेती।
गाता शुक जब किरण वसंती
छूती अंग पर्ण से छनकर।
किंतु, शुकी के गीत उमड़कर
रह जाते सनेह में सनकर।
गूँज रहा शुक का स्वर वन में
फूला मग्न शुकी का पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

1. शुक कहाँ बैठा है–
(क) घोंसले में (ख) घनी डाल पर
(ग) कोटर में (घ) छत पर।

2. शुकी कहाँ बैठी है–
(क) पिंजरे में (ख) घोंसले में
(ग) पेड़ पर (घ) दीवार पर।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. **शुक कब गाता है–**
(क) जब वर्षा होती है (ख) जब दिन ढलता है
(ग) जब किरण वसंती उसके अंगों को छूती है
(घ) जब शुकी कहीं चली जाती है।

4. **शुकी के गीत किसमें सनकर रह जाते हैं–**
(क) मिट्टी में (ख) कीचड़ में
(ग) शहद में (घ) स्नेह में।

5. **शुकी घोंसले में बैठी हुई क्या कर रही है–**
(क) शुक को देख रही है (ख) गीत गा रही है
(ग) अंडे से रही है (घ) फल खा रही है।

उत्तर– 1. (ख) 2. (ख) 3. (ग) 4. (घ) 5. (ग)।

(3) दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब
बड़े साँझ आल्हा गाता है,
पहला स्वर उसकी राधा को
घर से यहाँ खींच लाता है।
चोरी-चोरी खड़ी नीम की
छाया में छिपकर सुनती है,
'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की
बिधना', यों मन में गुनती है।
वह गाता, पर किसी वेग से
फूल रहा इसका अंतर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

1. **काव्यांश में किनकी बात की गई है–**
(क) दो ग्वालों की (ख) दो प्रेमियों की
(ग) दो बच्चों की (घ) दो सैनिकों की।

2. **आल्हा कौन गाता है–**
(क) किसान (ख) चरवाहा
(ग) एक प्रेमी (घ) कवि।

3. **प्रेमी का पहला स्वर क्या करता है–**
(क) सोए हुओं को जगाता है
(ख) पशु-पक्षियों को आकर्षित करता है
(ग) उसके मित्रों को बुलाता है
(घ) उसकी राधा को घर से खींच लाता है।

4. **राधा अपने प्रेमी का गीत कहाँ छिपकर सुनती है–**
(क) आम की छाया में छिपकर (ख) नीम की छाया में छिपकर
(ग) झाड़ियों के पीछे छिपकर (घ) दीवार के पीछे छिपकर।

5. **राधा को किस बात का अफ़सोस है–**
(क) वह घर से क्यों आ गई
(ख) वह चोरी-चोरी गीत सुन रही है
(ग) वह प्रेमी के संग गीत की कड़ी क्यों न हुई
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर– 1. (ख) 2. (ग) 3. (घ) 4. (ख) 5. (ग)।

पाठ पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

1. **'गीत-अगीत' कविता किसके द्वारा लिखी गई है–**
(क) रामधारी सिंह दिनकर (ख) अरुण कमल
(ग) हरिवंशराय बच्चन (घ) सियाराम शरण गुप्त।

2. **दिनकर जी का जन्म कब हुआ–**
(क) सन् 1905 में (ख) सन् 1910 में
(ग) सन 1908 में (घ) सन 1907 में।

3. **दिनकर जी की रचना नहीं है–**
(क) हुँकार (ख) कुरुक्षेत्र
(ग) उर्वशी (घ) पाथेय।

4. **नदी उपलों से बात क्यों करती है–**
(क) दिल हलका करने के लिए
(ख) मनोरंजन करने के लिए
(ग) उपलों से मित्रता करने के लिए
(घ) उपलों का हाल-चाल पूछने के लिए।

5. **कवि ने कविता में पाठकों से क्या प्रश्न किया है–**
(क) शुक-शुकी में कौन सुंदर है?
(ख) प्रेमी-प्रेमिका में कौन मधुर गाता है?
(ग) गीत-अगीत कौन सुंदर है?
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

6. **किसके मन में गीत सुनाने के भाव उभर रहे थे–**
(क) नदी के ह्रदय में (ख) गुलाब के मन में
(ग) उपलों के मन में (घ) वृक्षों के मन में।

7. **शुकी के गीत किसमें डूब जाते हैं–**
(क) क्रोध में (ख) घृणा में
(ग) वात्सल्य में (घ) उदासी में।

8. **शुक को क्या छू गई थी–**
(क) शीतल हवा (ख) शुकी की परछाई
(ग) किरण वसंती (घ) वृक्ष की डाल।

9. **घनी डाल की छाया कहाँ पड़ रही है–**
(क) नदी पर (ख) घोंसले पर
(ग) खोंतों पर (घ) चट्टान पर।

10. **प्रेमी क्या गा रहा था–**
(क) आल्हा (ख) मल्हार
(ग) भैरवी राग (घ) दीपक राग।

11. **'गीत-अगीत' कविता में किसका चित्रण है–**
(क) प्रकृति के सौंदर्य का
(ख) जीव-जंतुओं के ममत्व का
(ग) मानवीय राग और प्रेमभाव का
(घ) उपर्युक्त सभी का।

12. **'अगीत' से कवि का अभिप्राय है–**
(क) कर्कश गान (ख) बेसुरा गान
(ग) मौन गान (घ) मधुर गान।

13. **कवि ने निर्झरी शब्द किसके लिए प्रयुक्त किया है–**
(क) नदी के लिए (ख) शुक के लिए
(ग) प्रेमिका के लिए (घ) शुकी के लिए।

14. **गुलाब विधाता से किस चीज़ की कामना करता है–**
(क) रंग की (ख) सुगंध की
(ग) स्वर की (घ) हरियाली की।

15. **निर्झरी किस प्रकार बह रही है–**
(क) कल-कल करके (ख) गा-गाकर
(ग) रो-रोकर (घ) हँस-हँसकर।

16. **वन में किसका स्वर गूँज रहा है–**
(क) कोयल का (ख) शुकी का
(ग) शुक का (घ) कौए का।

17. **शुकी के पंख क्यों फूल रहे हैं–**
(क) क्रोध के कारण (ख) वात्सल्य के कारण
(ग) घृणा के कारण (घ) दुःख के कारण।

18. **प्रेमी किस समय आल्हा गाता है–**
(क) प्रातःकाल (ख) रात्रि में
(ग) संध्या समय (घ) दोपहर में।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

19. प्रेमिका का क्या नाम है–

(क) राधा (ख) मीरा

(ग) सीता (घ) सुधा।

20. 'बिधना' शब्द का क्या अर्थ है–

(क) घायल (ख) देवता

(ग) विधाता (घ) मनुष्य।

उत्तर– 1. (क) 2. (ग) 3. (घ) 4. (क) 5. (ग) 6. (ख) 7. (ग) 8. (ग) 9. (ख) 10. (क) 11. (घ) 12. (ग) 13. (क) 14. (ग) 15. (ख) 16. (ग) 17. (ख) 18. (ग) 19. (क) 20. (ग)।

भाग-2

वर्णनात्मक प्रश्न

काव्य-बोध परखने हेतु प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

प्रश्न 1 : नदी का किनारों से कुछ कहते हुए बह जाने पर गुलाब क्या सोच रहा है? इससे संबंधित पंक्तियों को लिखिए।

उत्तर : नदी का किनारों से कुछ कहते हुए बह जाने पर गुलाब सोच रहा है कि यदि विधाता उसे भी स्वर देते तो वह भी संसार को अपनी पतझड़ की व्यथा गा-गाकर सुनाता। इस भाव से संबंधित पंक्तियाँ हैं–

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।"

प्रश्न 2 : जब शुक गाता है, तब शुकी के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर : जब शुक गाता है तो शुकी के गीत उमड़कर स्नेह में सनकर उसके हृदय में रह जाते हैं। वह प्रेममग्न हो जाती है और उसके पंख फूल जाते हैं।

प्रश्न 3 : प्रेमी जब गीत गाता है, तब प्रेमिका की क्या इच्छा होती है?

उत्तर : प्रेमी जब गीत गाता है, तो प्रेमिका उसे सुनकर प्रेममग्न हो जाती है। उसकी इच्छा होती है कि विधाता ने उसे उसके प्रेमी के गीत की कड़ी क्यों नहीं बनाई?

प्रश्न 4 : प्रथम छंद में वर्णित प्रकृति-चित्रण को लिखिए।

उत्तर : प्रथम छंद में कवि ने नदी और गुलाब का मानवीकरण किया है। नदी एक मुखर प्रेमिका है जो अपने कल-कल स्वर में विरह के गीत गाती हुई, पत्थरों से अपने मन की बात बताती हुई बहती जाती है। गुलाब एक मौन प्रेमी है जो किनारे पर चुपचाप खड़ा सोचता है कि यदि उसके पास स्वर होता तो वह भी अपने गीत संसार को गाकर सुनाता।

प्रश्न 5 : प्रकृति के साथ पशु-पक्षियों के संबंध की व्याख्या कीजिए।

उत्तर : कविता के दूसरे छंद में शुक-शुकी के माध्यम से कवि ने प्रकृति के साथ पशु-पक्षियों के संबंधों की व्याख्या की है। इसमें शुक-शुकी एक घने पेड़ पर अपना घोंसला बनाकर रह रहे हैं। शुकी घोंसले में बैठकर अंडे सेती है और शुक मधुर स्वर में गीत गाकर शुकी को आह्लादित कर रहा है। शुक का स्वर पूरे वातावरण में गूँज रहा है और इस मधुर गूँज से न केवल प्रकृति, बल्कि शुकी भी मदमस्त है।

प्रश्न 6 : मनुष्य को प्रकृति किस रूप में आंदोलित करती है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : मनुष्य को प्रकृति अपने मनोरम रूप में आंदोलित करती है। कल-कल, छल-छल बहती नदी उसे गीत सुनाती-सी लगती है। नदियों के किनारे खड़ा गुलाब उसे मूकवार्ता का आमंत्रण देता है। पेड़ की हरी-भरी डाल पर बैठे शुक-शुकी मनुष्य को प्रेम कहानी सुनाते हैं। संध्या का शांत और मनोरम वातावरण प्रेमी को प्रेम गीत गाने के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार प्रकृति अपने मनोरम रूप से मनुष्य के अंदर प्रेम का उन्माद भर देती है।

प्रश्न 7 : सभी कुछ गीत है, अगीत कुछ नहीं होता। कुछ अगीत भी होता है क्या? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : संसार में सभी कुछ गीत है, अगीत कुछ भी नहीं है। गीत का आशय यहाँ अभिव्यक्ति है। यह अभिव्यक्ति कहीं मुखरित है, तो कहीं मौन है अर्थात् कहीं गीत है, तो कहीं अगीत है। पाठ में नदी, शुक और ग्वाले की अभिव्यक्ति मुखरित है, तो गुलाब, शुकी और राधा की मौन है, लेकिन अभिव्यक्ति सर्वत्र हो रही है। कवि को नदी के बहाव में भी गीत का सृजन होता दिखाई देता है तो शुक-शुकी के क्रियाकलापों में भी और ग्वाला तो गीत गान में मग्न है ही। अतः हमारे विचार से कुछ भी अगीत नहीं होता क्योंकि जो अगीत अर्थात् मौन अभिव्यक्ति है वह भी वास्तव में गीत ही है।

प्रश्न 8 : 'गीत-अगीत' के केंद्रीय भाव को लिखिए।

उत्तर : 'गीत-अगीत' कविता में कवि ने प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ पशु-पक्षियों के प्रेम एवं मनुष्य तथा प्रकृति के साथ उनके संबंधों का चित्रण किया है। नदी के बहाव तथा गुलाब के झूमने में कवि ने गीत की गूँज सुन ली है।

कवि को शुक-शुकी की प्राकृतिक चर्या में गीत के बोल सुनाई देते हैं और साथ ही पक्षियों में मानवीय राग के संकेत भी दिखते हैं। कवि ने इस कविता में नदी, गुलाब, शुक-शुकी तथा मनुष्य के आंतरिक संबंधों को गूँथ दिया है।

प्रकृति एवं पशु-पक्षी के बीच आल्हा गाता ग्वाला अपनी प्रेमिका के लिए सच्चा साधक बना हुआ है। कवि इन तमाम प्रक्रियाओं के बीच गीत और अगीत की तुलनात्मक सौंदर्य संबंधी दुविधा में है। उसे दुविधा है कि जो गाया जा रहा है (गीत), वह अधिक सुंदर है या जो नहीं गाया जा रहा है (अगीत), वह अधिक सुंदर है।

प्रश्न 9 : कवि के मन में क्या दुविधा है? आपके विचार से कौन सुंदर है–गीत या अगीत?

उत्तर : प्रेमी मुखरित रूप में प्रेम-भाव से प्रेम-गीत गाता है। यह गीत प्रेम के कारण अति सुंदर है। उसके गायन के पोर-पोर में प्रेम प्रकट हो रहा है। परंतु दूसरी ओर निहारें। प्रेमी का प्रेम-गान सुनकर प्रेमिका का हृदय प्रसन्न हो उठा है। वह प्रेम-दीवानी हो गई है। उसकी साँसों में प्रेम का आवेग हिलोरें लेने लगा है। यह भी अति सुंदर दृश्य है। एक ओर, गाया गया गीत है जो प्रेमी के शब्दों में प्रकट हो रहा है। दूसरी ओर, प्रेम से प्रभावित मौन भावनाएँ हैं जो मन-ही-मन उमड़ रही हैं किंतु उन्हें व्यक्त होने के लिए रास्ता नहीं मिल रहा। एक प्रकार से यह 'अगीत' है। इसका भावावेग गीत जैसा है किंतु इसके पास शब्द नहीं हैं। कवि समझ नहीं पाता कि दोनों में से कौन-सा अधिक सुंदर है। दूसरे शब्दों में, कवि कहना चाहता है कि दोनों ही सुंदर हैं। एक मुखर गीत है तो दूसरा मौन।

प्रश्न 10 : 'अगीत ही गीत के अस्तित्व का आधार है।' सोदाहरण आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : सभी गीत अगीत से बनते हैं। पहले किसी गीत का भाव कवि के मन में उभरता है, फिर वह उसे शब्दों से वाणी देता है और गीत का जन्म होता है। यदि मन में गीत की अनुभूति न जागे तो गीत का जन्म हो ही नहीं सकता। जैसे शुकी को देखकर पहले शुक के हृदय में स्पंदन होता है, फिर वह उसे मधुर स्वर में आवाज़ देता है। जैसे पहले बाल्मीकि ने एक आहत क्रौंच पक्षी को देखा, फिर उसकी पीड़ा से व्यथित होकर रामायण का पहला श्लोक लिखा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 11 : कौन खड़ा चुपचाप और क्या सोच रहा है?

उत्तर : नदी के तट पर चुपचाप गुलाब खड़ा है और वह सोच रहा है कि भगवान ने उसे 'मुखर' रूप से कहने के लिए वाणी नही दी, यदि दी होती तो फिर वह मौन क्यों रहता। वह अपने मन की, अपनी विरह की कहानी सबको सुना पाता। वह यह भी बोलकर बताता कि जब पतझड़ आता है तो हमें उसकी कितनी पीड़ा सहन करनी होती है।

प्रश्न 12 : शुकी शांत क्यों है? वह शुक के समान क्यों नहीं बोल पाती?

उत्तर : शुकी अपने मन के भावों को शांत रहकर महसूस करती है। वह अपने अंडों को सेते हुए अपने मन के भावों को मन-ही-मन महसूस करती है। वह अपने बच्चों के प्रति मातृत्व के वात्सल्य में डूबी है। वह अपने पंख फैलाकर सुख का अनुभव करती है। कवि कहते हैं–हम स्वयं ही निर्णय करें कि गीत-अगीत कौन सुंदर है।

प्रश्न 13 : 'अपने पतझर के सपनों का मैं भी जग को गीत सुनाता'–पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : यह पंक्ति दिनकर जी द्वारा नदी के किनारे खड़े गुलाब के फूल के लिए कही गई है। नदी किनारे खड़ा गुलाब जब नदी के वेग द्वारा गाए विरह के गीत को सुनता है तो उसके मन में भी आता है–काश! मुझे भी विधाता ने वाणी दी होती तो मैं भी अपने पत्तों के झड़ने के दुःख को बताकर अपने मन को हलका कर लेता। मैं भी 'गीत' रूप में अपनी पीड़ा दूसरों को सुना पाता।

प्रश्न 14 : 'गीत-अगीत' कविता में कवि ने प्रकृति का कैसा चित्र खींचा है?

उत्तर : 'गीत-अगीत' कविता में कवि ने प्रकृति को चित्रित करते हुए वेगमय नदी के बहाव का वर्णन करते हुए कहते हैं–नदी अपने पूर्ण बहाव के साथ बहकर कल-कल की आवाज़ करती जब किनारों से टकराती है। तो ऐसा लगता है जैसे अपने मन की व्यथा बता रही है। अपनी विरह की कहानी सुना रही है। नदी ऐसा करके अपने मन के बोझ को कम करना चाहती है। कवि ने प्रकृति का एक और उदाहरण 'गुलाब' के फूल के रूप में प्रस्तुत किया है। वह नदी किनारे खड़ा यही सोचता है कि काश, उसके पास भी आवाज़ होती। वह भी अपने दुःख को दूसरों को बताता। अपने पतझड़ की पीड़ा व्यक्त कर पाता और अपने मन के बोझ को हलका कर लेता।

प्रश्न 15 : कवि ने 'अगीत' को गीत के समान महत्त्व क्यों दिया है?

उत्तर : कवि यह कहना चाहता है कि गीत भावनाओं का प्रकटीकरण है। इस प्रकटीकरण में महत्त्व भावनाओं का है, शब्दों का नहीं। शब्द तो भावनाओं के वस्त्र हैं, लिबास हैं। वास्तविक महत्त्व लिबास का नहीं, मनुष्य का होता है, मनुष्यता का होता है। इसी प्रकार शब्द उमड़ने से पहले जो भावनाएँ हृदय में होती हैं, वास्तविक महत्त्व उन भावनाओं का होता है। ये भावनाएँ प्रत्येक मनुष्य में होती हैं। विशेष रूप से भावुक हृदयों में जब भावनाएँ उमड़ती हैं तो वे किसी भी गीत से कम नहीं होतीं। अतः 'अगीत' गीत न होते हुए भी गीत के समान सुंदर होते हैं।

प्रश्न 16 : आपके अनुसार 'अगीत' क्या है?

उत्तर : 'अगीत' का आशय है–ऐसा गीत, जो प्रकट रूप में दिखाई नहीं देता किंतु अंदर-ही-अंदर व्यक्त होता है। अगीत की मनोदशा सब मनुष्य अनुभव करते हैं। सब कभी-न-कभी दुःख, सुख, उल्लास, क्रोध, भय, करुणा आदि मनोभावों से भर जाते हैं। जब ये अनुभूतियाँ सघन हो जाती हैं, तब अंदर-ही-अंदर गीत का जन्म हो जाता है। यह अलग बात है कि कुछ लोगों के पास उन अनुभूतियों को व्यक्त करने की शक्ति भी होती है। जिनके पास यह शक्ति होती है और जो स्वयं को व्यक्त कर पाता है, वह गीतकार होता है। जो नहीं व्यक्त कर पाता, वह अगीतकार होता है।

प्रश्न 17 : 'गीत-अगीत' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

उत्तर : 'गीत-अगीत' कविता में कवि ने प्रेम के दोनों रूपों का वर्णन किया है। एक रूप वह है जब भावों को स्वर मिल जाते हैं और दूसरा भावों की मौन अभिव्यक्ति है। कल-कल की ध्वनि करती नदी, पेड़ की डाली पर बैठा शुक एवं आलाप गीत गाता हुआ प्रेम मुखर भावों का स्वरूप प्रकट करते हैं, जिन्हें गीत कहा गया है। नदी किनारे खड़ा गुलाब, घोंसले में बैठी शुकी एवं प्रेमी का गीत छिपकर सुनती प्रेमिका मन के भावों को 'मौन' रूप से व्यक्त करते हैं। इसे अगीत कहा गया है। दोनों ही परिस्थितियों में भावनाओं को व्यक्त किया गया है। दोनों ही अपने आप में श्रेष्ठ हैं।

अभ्यास प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

बैठा शुक उस घनी डाल पर
जो खोंते पर छाया देती।
पंख फुला नीचे खोंते में
शुकी बैठ अंडे है सेती।
गाता शुक जब किरण वसंती
छूती अंग पर्ण से छनकर।
किंतु, शुकी के गीत उमड़कर
रह जाते सनेह में सनकर।
गूँज रहा शुक का स्वर वन में'
फूला मग्न शुकी का पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

1. शुक कहाँ बैठा है–
   (क) घोंसले में (ख) घनी डाल पर
   (ग) कोटर में (घ) छत पर।
2. शुकी कहाँ बैठी है–
   (क) पिंजरे में (ख) घोंसले में
   (ग) पेड़ पर (घ) दीवार पर
3. शुक कब गाता है–
   (क) जब वर्षा होती है (ख) जब दिन ढलता है
   (ग) जब किरण वसंती उसके अंगों को छूती है
   (घ) जब शुकी कहीं चली जाती है।
4. शुकी के गीत किसमें सनकर रह जाते हैं–
   (क) मिट्टी में (ख) कीचड़ में
   (ग) शहद में (घ) स्नेह में।
5. शुकी घोंसले में बैठी हुई क्या कर रही है–
   (क) शुक को देख रही है (ख) गीत गा रही है
   (ग) अंडे से रही है (घ) फल खा रही है।

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

6. 'गीत-अगीत' कविता किसके द्वारा लिखी गई है–
   (क) रामधारी सिंह दिनकर (ख) अरुण कमल
   (ग) हरिवंशराय बच्चन (घ) सियाराम शरण गुप्त।
7. किसके मन में गीत सुनाने के भाव उभर रहे थे–
   (क) नदी के हृदय में (ख) गुलाब के मन में
   (ग) उपलों के मन में (घ) वृक्षों के मन में।

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

8. 'अपने पतझर के सपनों का मैं भी जग को गीत सुनाता'–पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
9. प्रकृति के साथ पशु-पक्षियों के संबंध की व्याख्या कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in